फेसबुक पर लग सकता है 35 हजार करोड़ का जुर्माना

निजता के नियमों के उल्लंघन को लेकर अमेरिका में चल रही है जांच, तिमाही नतीजे में कंपनी ने किया जुर्माने के मद में भारी-भरकम प्रावधान

द न्यूयॉर्क टाइम्स, सैन फ्रांसिस्को : निजता से संबंधित नियमों के उल्लंघन के आरोप झेल रही दिग्गज सोशल मीडिया फर्म फेसबुक को बड़ी चपत लग सकती है। कंपनी ने कहा है कि इस मामले में अमेरिका का फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) उस पर पांच अरब डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपये) तक का जुर्माना लगा सकता है। अब तक अमेरिकी सरकार पर सिलिकॉन वैली की बड़ी टेक कंपनियों से नरमी बरतने का आरोप लगता रहा है। ऐसे में इस रिकॉर्ड जुर्माने के जरिये अमेरिका यह संदेश देने की कोशिश भी करेगा कि नियमों के उल्लंघन पर बड़ी कंपनियां भी महफूज नहीं रहेंगी।

फेसबुक ने अपनी वित्तीय रिपोर्ट में कहा है कि एफटीसी तीन से पांच अरब डॉलर का जुर्माना लगा सकता है। कंपनी ने कहा, '2019 की पहली तिमाही में हमने नुकसान का अनुमान लगाया है। एफटीसी की जांच के मामले में तीन अरब डॉलर (करीब 21 हजार करोड़ रुपये) का प्रावधान किया गया

है। हमारा अनुमान है कि इस मद में तीन से पांच अरब डॉलर का नुकसान होगा।' हालांकि कंपनी ने कहा है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि फैसला क्या और कब होगा। अभी सुनवाई चल रही है। कंपनी इस मामले में एफटीसी अधिकारियों से बात करके मामला सुलझाने का प्रयास कर रही है। बीती तिमाही (जनवरी-मार्च) में कंपनी का राजस्व 26 फीसद बढ़कर 15.1 अरब डॉलर (करीब एक लाख करोड़ रुपये) रहा। हालांकि जुर्माने के मद में प्रावधान करने की वजह से मुनाफा सालभर पहले के मुकाबले 51 फीसद गिरकर 2.4 अरब डॉलर (करीब 17 हजार करोड़ रुपये) रहा।

आरोप धोने की कोशिश में अमेरिका : अमेरिका सरकार पर आरोप लगता रहा है कि उसने सिलिकॉन वैली की टेक कंपनियों को नियमों को ताक पर रखकर काम करने की छूट दी है। कंपनियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है। फेसबुक के मामले में बड़े जुर्माने के साथ सरकार इन आरोपों को धोने की कोशिश कर सकती है। इससे पहले एफटीसी की ओर से सर्वाधिक 2.2 करोड़ डॉलर (करीब 150 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगा है। 2012 में गूगल पर यह जुर्माना लगा था। वहीं ब्रिटेन में पिछले साल गूगल पर 5.1 अरब डॉलर (करीब 35.7 हजार करोड़ रुपये) का जुर्माना लगा था।

2.38 अरब हुई यूजर्स की संख्या

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : बीती तिमाही में फेसबुक पर मंथली एक्टिव यूजर्स (एमएयू) की संख्या सालाना आधार पर आठ फीसद बढ़कर 2.38 अरब हो गई। फेसबुक के स्टोरीज फीचर का इस्तेमाल रोजाना 50 करोड़ रहा। मार्च में डेली एक्टिव यूजर्स (डीएयू) की संख्या 1.56 अरब रही। औसतन 2.1 अरब लोग रोजाना फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप या मैसेंजर का इस्तेमाल करते हैं। इंस्टाग्राम व वाट्सएप भी फेसबुक के ही अधीन हैं।

भारत में जल्द लॉन्च होगा वाट्सएप-पे

सैन फ्रांसिस्को, आइएएनएस : फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा है कि कंपनी भारत में जल्द ही वाट्सएप-पे की सेवा शुरू करने की दिशा में काम कर रही है। भारत में डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में हो रही वृद्धि को देखते हुए कंपनी यह कदम उठा रही है। वाट्सएप-पे के जरिये यूजर यूपीआइ का इस्तेमाल करते हुए पेमेंट और पैसा ट्रांसफर कर सकेंगे। परीक्षण के तौर पर कंपनी ने पिछले साल अपने बीटा वर्जन में इसे लॉन्च किया था।

उच्च कुशल पेशेवरों के लिए वीजा कोटा बढ़ा सकते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, रायटर : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और ह्वाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुश्नर मेरिट आधारित एक आव्रजन प्रस्ताव पर काम कर रहे हैं। वह उच्च कुशल पेशेवरों के लिए वीजा कोटा बढ़ाने का प्रस्ताव रख सकते हैं। ऐसा होने पर भारतीय पेशेवरों को फायदा हो सकता है। इस श्रेणी का वीजा भारतीय पेशेवरों में खासा लोकप्रिय है।

इस प्रस्ताव से जुड़े सूत्रों ने बुधवार को कहा कि कुश्नर अगले हफ्ते राष्ट्रपति ट्रंप के सामने प्रस्ताव पेश कर सकते हैं। यह हालांकि ट्रंप के फैसले पर है कि वह इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं या बदलाव के लिए लौटा देंगे। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में उन लोगों के मामलों से निपटने के लिए किसी नए तरीके का सुझाव नहीं दिया जाएगा जो बचपन में अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए थे। ऐसे लोगों को पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में बने एक प्रोग्राम के तहत संरक्षण मिला हुआ है। न्यूयॉर्क में टाइम पत्रिका के एक कार्यक्रम में मंगलवार को कुश्नर ने कहा था, 'मैं ह्वाइट हाउस के आर्थिक सलाहकार केविन हैसेट और नीति मामलों के सलाहकार स्टीफन मिलर के साथ मिलकर प्रस्ताव पर काम कर रहा हूं।'

अमेरिकी राष्ट्रपति के दामाद जेरेड कुश्नर तैयार कर रहे प्रस्ताव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और व्हाइट हाउस के वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुश्नर।

सख्त आव्रजन नीति चाहते हैं ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप 2016 में हुए राष्ट्रपति चुनाव के दौरान और राष्ट्रपति बनने के बाद कई बार सख्त आव्रजन नीति की वकालत कर चुके हैं। वह मेक्सिको से लगी अमेरिकी सीमा पर दीवार खड़ी करने की अपनी योजना को भी आगे बढ़ा रहे हैं। उनकी दलील है कि सीमा पर दीवार बनने से शरणार्थी अवैध रूप से अमेरिका में दाखिल नहीं हो सकेंगे।

श्रीलंका में बेटों से हमला कराने वाला मसाला किंग गिरफ्तार

आतंकी हमला ▶ आत्मघाती हमलावरों में शामिल थे मसाला व्यापारी के दो बेटे, पुलिस ने अब तक 76 संदिग्धों को किया गिरफ्तार

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि खतरा अभी टला नहीं

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका में ईसाइयों के पर्व ईस्टर के मौके पर हुए भीषण आतंकी हमले के मामले में धरपकड़ तेज हो गई है। पुलिस ने गुरुवार को मसाला कारोबारी मुहम्मद यूसुफ इब्राहिम को गिरफ्तार किया। युसुफ इस हमले में शामिल रहे दो कथित आत्मघाती हमलावरों का पिता है। संदेह है कि उसने ही अपने बेटों को हमले के लिए उकसाया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि तीन चर्चों और तीन होटलों में हुए आत्मघाती हमले में मरने वालों की संख्या 253 है न कि 359। मंत्रालय ने कहा कि गणना में चूक के कारण मरने वालों की संख्या अधिक बताई गई थी। मृतकों में 11 भारतीयों समेत 36 विदेशी नागरिक हैं। श्रीलंका की पुलिस अब तक 76 संदिग्धों को गिरफ्तार कर चुकी है।

जांच में आया है कि यूसुफ इब्राहिम के बेटों इल्हाम इब्राहिम और इमसात इब्राहिम ने सांगरी-ला और सिनामन ग्रैंड होटल में खुद को बम से उड़ा लिया था। संदेह है कि यूसुफ ने बेटों को उकसाया था और इस आत्मघाती हमले के लिए उनकी मदद की थी। पुलिस मसाला कारोबारी की कोलंबो स्थित कोठी की तलाशी भी ले रही है। रविवार को इस कोठी में भी विस्फोट हुआ था, जिसमें तीन पुलिसकर्मी मारे गए थे। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि सिनामन ग्रैंड होटल को निशाना बनाने वाले बड़े बेटे इल्हाम को पुलिस ने पहले भी एक मामले में गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया था।

अब तक की जांच के मुताबिक, धमाकों को नौ आत्मघाती हमलावरों ने अंजाम दिया था, जिनमें एक महिला भी शामिल थी। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने ली है। हालांकि सरकार का कहना है कि इसमें स्थानीय इस्लामिक आतंकी संगठन नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) का हाथ है। गुरुवार को 16 और संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस अब तक इस मामले में कुल 76 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। ज्यादातर का संबंध एनटीजे से बताया जा रहा है। तीन संदिग्धों के पास से 21 हैंड ग्रेनेड और छह तलवारें भी बरामद हुई हैं। पुलिस ने छह संदिग्धों की तस्वीर भी जारी की है, जिनमें तीन महिलाएं हैं। पुलिस की मदद के लिए 5,000 से ज्यादा सैनिकों को भी तैनात किया गया है। इनमें वायुसेना और नौसेना के जवान भी शामिल हैं।

एक और विस्फोट: मीडिया रिपोर्टों में गुरुवार को कोलंबों से 40 किमी दूर पुगोडा प्रांत में एक विस्फोट की बात सामने आई है। पुलिस का कहना है कि विस्फोट कचरे के ढेर में हुआ। कोई हताहत नहीं हुआ है। इस बीच, श्रीलंका ने ड्रोन और मानवरहित विमानों की उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया है। नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने अगले आदेश तक प्रतिबंध जारी रहने की बात कही है। सरकार ने वीजा ऑन अराइवल की सुविधा भी फिलहाल रोक दी है।

खतरा अभी टला नहीं : श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि हमलों का खतरा अभी टला नहीं है। इसलिए अधिकारी अब उन 'स्लीपर्स' को निशाने पर ले रहे हैं, जो और हमलों को अंजाम दे सकते हैं। हमले में सुरक्षा चूक की बात खारिज करते हुए विक्रमसिंघे ने कहा कि जांच एजेंसियों की संभावित आतंकियों पर निगाह थी, लेकिन उन्हें हिरासत में लेने का पर्याप्त आधार नहीं था।

चर्चों में सामूहिक प्रार्थना बंद: श्रीलंका में कैथलिक चर्चों में स्थिति सामान्य होने तक सामूहिक प्रार्थना बंद रखने का एलान किया गया है।

हमलावर के पास था ऑस्ट्रेलिया का वीजा : ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने पुष्टि की है कि श्रीलंका विस्फोट में शामिल रहे एक आत्मघाती हमलावर के पास ऑस्ट्रेलिया का वीजा था। उसने कुछ वक्त ऑस्ट्रेलिया में बिताया था। उसके पास छात्र एवं ग्रेजुएट स्किल्ड वीजा था। उसकी पत्नी और बच्चे का भी वीजा था। 2013 में ऑस्ट्रेलिया से जाने के बाद वह वापस नहीं आया।

रक्षा सचिव ने दिया इस्तीफा: श्रीलंका के रक्षा सचिव हेमासिरि फर्नांडो ने पद से इस्तीफा दे दिया है। पहले से खुफिया जानकारियां मिलने के बाद भी हमला रोकने में विफल रहने के आरोपों के बाद राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरिसेन ने फर्नांडो और पुलिस प्रमुख पुजित जयसुंदरा का इस्तीफा मांगा था। श्रीलंका में अमेरिकी दूतावास ने चेतावनी दी कि आने वाले सप्ताह में और आतंकी हमले हो सकते हैं।

श्रीलंका में ईस्टर के दिन चर्च में हुए बम धमाकों में मारे गए लोगों के परिजन विलाप करते हुए। रायटर

श्रीलंका में बम धमाकों के बाद सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। गुरुवार को कोलंबो में ग्रीव्हीलर की चेकिंग करते सुरक्षाकर्मी। एएफपी

बौद्धिक संपदा उल्लंघन में अमेरिका के निशाने पर भारत

वाशिंगटन, प्रेट्र : बौद्धिक संपदा अधिकार (आइपीआर) उल्लंघन की दलील के साथ चीन से ट्रेड वार शुरू कर चुके अमेरिका ने इसी मामले में अब भारत पर आंखें तरेरी हैं। अमेरिका ने भारत को इस मामले में अपनी 'प्रायॉरिटी वॉच लिस्ट' यानी प्राथमिकता निगरानी सूची में रखा है। इसका मतलब यह है कि वह अब भारत द्वारा बौद्धिक संपदा के कथित उल्लंघन पर पैनी नजर रखने वाला है। अमेरिका का आरोप है कि भारत ने इस क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही और हाल के दिनों में उपजी चुनौतियों से निपटने के लिए बौद्धिक संपदा फ्रेमवर्क में सुधार की तरफ ठोस उचित कदम नहीं उठाए हैं। इससे अमेरिका के बौद्धिक संपदा अधिकार धारकों को पिछले कई वर्षों के दौरान गंभीर क्षति उठानी पड़ी है।

अमेरिकी कारोबार प्रतिनिधियों (यूएसटीआर) ने अपनी रिपोर्ट में भारत समेत 11 देशों को प्राथमिकता निगरानी सूची में रखा है। इनमें चीन, इंडोनेशिया, रूस, सऊदी अरब और वेनेजुएला के भी नाम हैं। वहीं, पाकिस्तान और तुर्की समेत 25 देश अमेरिका की निगरानी सूची में रखे गए हैं। अमेरिका के मुताबिक ये सभी वे देश हैं, जिनके साथ उसे बौद्धिक संपदा के मोर्चे पर अधिक सक्रियता से द्विपक्षीय बातचीत करने की जरूरत है। अमेरिका के मुताबिक चीन ने आइपी के संरक्षण और अनुपालन के लिए जितने दावे किए थे, उन सब पर वह अभी तक खरा नहीं उतर पाया है।

यूएसटीआर ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'बौद्धिक संपदा चुनौतियों से निपटने तथा उसके संरक्षण व अनुपालन के लिए भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई कदम उठाए। लेकिन इनमें से कई कदमों के ठोस नतीजे अभी तक सामने नहीं आए हैं और पिछले कई वर्षों से चली आ रही कमियां अभी भी व्याप्त हैं। आइपी के संरक्षण और अनुपालन के मामले में भारत दुनियाभर की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के लिहाज से सबसे चुनौतीपूर्ण बाजारों में एक है।'

अमेरिका ने दिल्ली के करोलबाग इलाके में स्थित टैंक रोड को नकली सामान बनाने और बेचने के मामले में दुनियाभर के सबसे कुख्यात बाजारों में एक बताया है। उसने भारत से इसका जल्द से जल्द समाधान निकालने के लिए ठोस कदम उठाने की गुजारिश की है। 'यूएस नोटोरियस मार्केट्स लिस्ट' यानी कुख्यात बाजारों की सूची में अमेरिका ने 33 ऑनलाइन और 25 ऑफलाइन बाजारों को शामिल किया है।

आइपीआर क्या है : किसी प्रोडक्ट, कंपनी या संस्था के नाम, लोगो या उसकी पहचान से जुड़ी अन्य चीजें उसकी बौद्धिक संपदा होती हैं। उसका पेटेंट और पंजीकरण कराना होता है। उसके बाद केवल वही उसका उपयोग कर सकता है।

सैनिकों की याद में परेड

सिडनी में गुरुवार को अंजैक दिवस परेड में शामिल सेना का पारंपरिक बैंड। यह ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में सैनिकों के स्मरण का राष्ट्रीय दिवस है। सभी युद्धों, संघर्षों और शांति अभियानों में सेवा और शहीदों के योगदान को स्मरण किया जाता है। प्रथम विश्व युद्ध में इस अभियान के दौरान ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के सैनिकों के बीच गलतफहमी की वजह से काफी संख्या में सैनिक शहीद हो गए थे। अंजैक ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड आर्मी कोर के रूप में जाना जाता है। एएफपी

पाकिस्तान में महिला पोलियो कर्मी की गोली मारकर हत्या

क्वेटा, रायटर : पाकिस्तान में पोलियो टीकाकरण के काम में जुटे एक और दल पर गुरुवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। इस हमले में एक महिलाकर्मी की मौत हो गई। पोलियो उन्मूलन के कार्य में जुटीं 20 साल की रशीदा बीबी अफगानिस्तान की सीमा से सटे चमन जिले में मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों की गोलियों का शिकार बन गईं। हमले में एक अन्य कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गया।

पाकिस्तान में पिछले एक सप्ताह में पोलियो अभियान से जुटे लोगों पर हुए हमलों में यह चौथी मौत है। जान गंवाने वालों में पोलियो टीम की सुरक्षा में तैनात दो पुलिस अफसर भी शामिल हैं। इसके अलावा लाहौर में एक पोलियो कर्मी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पाकिस्तान में पोलियो उन्मूलन को लेकर शुरू किए गए देशव्यापी अभियान के बीच लोगों में कई भ्रांतियां भी फैलाई जा रही हैं। बीते सोमवार को पेशावर में एक मस्जिद के लाउडस्पीकर से एलान किया गया कि लोग अपने बच्चों को पोलियो की खुराक नहीं दिलवाएं।

अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति जो बिडेन लड़ेंगे राष्ट्रपति चुनाव

वाशिंगटन, एपी : अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति जो बिडेन वर्ष 2020 में होने वाला राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे। इसके लिए उन्होंने औपचारिक रूप से डेमोक्रेटिक के रूप में अपनी उम्मीदवारी दर्ज करा दी है। जो बिडेन मौजूदा उम्मीदवारों में सबसे ज्यादा अनुभवी और तमाम समुदायों में लोकप्रिय हैं।

76 वर्षीय अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति जो बिडेन ने गुरुवार सुबह ट्विटर पर पोस्ट किए गए 3.30 मिनट के वीडियो में विशेष रूप से मध्यम वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि वह सब कुछ दांव पर है, जिसने अमेरिका को अमेरिका बनाया। यही कारण है कि आज मैं अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा कर रहा हूं।

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में अब तक 20 से ज्यादा नाम जुड़ चुके हैं। इसमें वेरमांट सेन, बर्नी सैंड्र्स आगे चल रहे हैं। बिडेन इन सभी उम्मीदवारों में सबसे अनुभवी हैं। वह बराक ओबामा के उप राष्ट्रपति के रूप में आठ साल तक काम कर चुके हैं। वह अमेरिकी सीनेट में तीन दशक का समय बिता चुके हैं।

डेमोक्रेट बिडेन मौजूदा उम्मीदवारों में सबसे ज्यादा अनुभवी

डेमोक्रेटों के बीच भी बिडेन खासे लोकप्रिय हैं। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को फायदा देने वाली तत्कालीन सरकार विरोधी लहर का वह भी शिकार हो चुके हैं। जो बिडेन की टीम उनकी चुनावी चंदा एकत्र करने की क्षमता और गाहे-बगाहे गलतियां कर जाने की आदत को लेकर भी चिंतित है। बिडेन का कहना है कि वह अपना चुनाव प्रचार ओबामा-बिडेन डेमोक्रेट के रूप में करेंगे। वह अपने वर्किंग क्लास वोटरों और बराक ओबामा के समर्थकों पर निर्भर हैं।

यूके से अलग होने के लिए फिर जनमत संग्रह कराएगा स्कॉटलैंड

एडिनबर्ग, रायटर : स्कॉटलैंड की फर्स्ट मिनिस्टर निकोला स्टर्जन ने बुधवार को कहा कि बिना लंदन के अनुमति के उनका देश मई, 2021 से पहले स्वतंत्रता के लिए जनमत संग्रह कराएगा। वहीं, ब्रिटेन की प्रधानमंत्री टेरीजा मे ने कहा है कि 2014 के जनमत संग्रह के नतीजों का सम्मान किया जाना चाहिए।

स्कॉटलैंड पिछले तीन सौ साल से यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा है। 2014 में स्वतंत्रता के लिए कराए गए जनमत संग्रह को लोगों ने खारिज कर दिया था। यूके से अलग होने की तुलना में उसके साथ बने रहने के पक्ष में 10 फीसद ज्यादा वोट मिले थे। स्कॉटलैंड की संसद में स्टर्जन ने कहा कि ईयू से ब्रिटेन के अलग होने के बाद देश को भविष्य का फैसला करना होगा। स्कॉटलैंड को यह तय करना होगा कि वह ब्रिटेन के साथ ही रहेगा या स्वतंत्र होकर यूरोपी संघ का सदस्य देश बनेगा। उन्होंने कहा कि विकसित संसद बिल इस साल के अंत तक पेश किया जाएगा।

नया कदम

ट्रंप के साथ परमाणु वार्ता विफल होने के बाद उत्तर कोरिया के नेता ने रूसी राष्ट्रपति से की शिखर वार्ता, पुतिन ने कहा, अमेरिका की तरह रूस भी कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव कम करने के प्रयास का समर्थक

पुतिन और किम ने पहली बार की मुलाकात, मजबूत होंगे संबंध

व्लादीवोस्तक, रायटर : उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को पहली बार आमने-सामने बैठकर बात की। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता जताई। पुतिन ने कहा, 'अमेरिका की तरह रूस भी कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव कम करने के प्रयासों का समर्थन करता है, लेकिन उत्तर कोरिया को अपनी संप्रभुता की गारंटी की जरूरत है।'

पुतिन और किम की यह शिखर वार्ता रूस के बंदरगाह शहर व्लादीवोस्तक में हुई। पहले सत्र में दोनों नेताओं ने महज कुछ सहयोगियों की मौजूदगी में बातचीत की। यह सत्र करीब 50 मिनट चला। दूसरे सत्र की वार्ता से पहले पुतिन ने पत्रकारों से कहा, 'मैंने और उत्तर कोरिया के नेता ने परमाणु वार्ता में आए गतिरोध समेत कई मसलों पर व्यापक चर्चा की। हमने यकीनन कोरियाई प्रायद्वीप के हालात पर बातचीत की और इस बारे में विचारों का आदान-प्रदान किया कि हालात बेहतर करने के लिए हम क्या कर सकते हैं।' जबकि किम ने कहा, 'कोरियाई प्रायद्वीप के मामले में पूरी दुनिया की दिलचस्पी है। मैं पुतिन से निजी तौर पर मुलाकात करने के लिए यहां आया हूं।'

समय से पहले पहुंचे पुतिन : पुतिन का वार्ताओं में वैश्विक नेताओं को इंतजार कराने का रिकार्ड अच्छा नहीं है। लेकिन किम से मिलने के लिए रूसी राष्ट्रपति वार्ता स्थल पर करीब आधा घंटे पहले ही पहुंच गए।

यूनिवर्सिटी कैंपस में हुई वार्ता : पुतिन और किम की पहली शिखर वार्ता व्लादीवोस्तक के एक यूनिवर्सिटी कैंपस में हुई। वार्ता स्थल के बाहर जब दोनों नेताओं का पहली बार आमना-सामना हुआ तो दोनों ने मुस्कुराहट के साथ हाथ मिलाए।

मुलाकात का यह मकसद : पुतिन और किम की मुलाकात के पीछे का यह मकसद माना जा रहा है कि उत्तर कोरिया के परमाणु मसले का हल निकालने के लिए अमेरिका ही एकमात्र शक्ति नहीं है। किम की करीब दो माह पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दूसरी बार शिखर वार्ता हुई थी, लेकिन प्रतिबंधों को हटाने की मांग पर यह वार्ता विफल हो गई थी। इसके बाद किम ने सहयोग की उम्मीद में रूस का रुख किया।

प्रतिबंधों पर लग सकता है झटका : अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में गतिरोध के बाद किम पहले विदेश दौरे पर रूस आए हैं। माना जा रहा है कि वह अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से राहत पाने के लिए रूस से मदद मांग सकते हैं। लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि इस मामले में उन्हें निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि रूस यह प्रतिबद्धता जता चुका है कि उत्तर कोरिया जब तक अपने परमाणु कार्यक्रम बंद नहीं करता तब तक उस पर लगे प्रतिबंधों को कायम रखा जाए।

व्लादीवोस्तक में गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन को किम जोंग उन ने उत्तर कोरिया की तलवार भेंट की। एपी

पुतिन ने 17 साल पहले किम के पिता से की थी वार्ता

पुतिन ने 2002 में किम के पिता और उत्तर कोरिया के तत्कालीन नेता किम जोंग द्वितीय के साथ भी शिखर वार्ता की थी। किम जोंग द्वितीय ने 2011 में रूस के तत्कालीन राष्ट्रपति दमित्री मेदवेदेव से भी मुलाकात की थी।

जब रेड कारपेट से आगे निकली ट्रेन

किम बुधवार को जब बख्तरबंद ट्रेन से व्लादीवोस्तक स्टेशन पहुंचे तो उनकी अगवानी के लिए प्लेटफार्म पर रेड कारपेट बिछाई गई थी, लेकिन ट्रेन रेड कारपेट से आगे निकल गई। इससे अधिकारियों में खलबली मच गई। किम जिस बोगी में बैठे थे, उसका गेट रेड कारपेट के सामने करने के लिए ट्रेन फिर पीछे की गई। इसके बाद काले रंग का ओवरकोट पहने किम बाहर निकले।

अमेरिका में चार माह में सामने आए खसरे के 695 मामले

द न्यूयॉर्क टाइम्स, वाशिंगटन : संक्रामक बीमारी खसरे (मीजल्स) का प्रकोप अमेरिका में तेजी से फैल रहा है। इस साल अभी तक खसरा संक्रमण के 695 मामले सामने आ चुके हैं। वर्ष 2000 में देश में खसरा उन्मूलन की घोषणा के बाद यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 2014 में 667 मामले सामने आए थे।

सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, अमेरिका के 22 राज्य खसरा संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। खसरे का प्रकोप पिछले साल के अंत में फैलना शुरू हुआ था। न्यूयार्क सिटी और वाशिंगटन संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। दोनों जगह इजरायल से लौटे अमेरिकी लोगों की बड़ी संख्या है। इजरायल के अलावा यूक्रेन से लौटे लोग भी खसरे के संक्रमण से ग्रसित हैं।

इन दोनों देशों से आए लोग ही अमेरिका में बीमारी फैलने का जरिया बने। टीका नहीं लगवाने के कारण रोग के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं होने को संक्रमण फैलने की असली वजह बताया जा रहा है।